



भागवत गीता

शहर छोटी खबरें

सड़क दुर्घटना में अंधेड़ व्यक्ति की मौत



गाजीपुर। सैदपुर के खानपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत फरिदहा गांव के पास शनिवार की दोपहर को मार्ग पर अज्ञात वाहन के धक्के से एक बाइक सवार अंधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। घटनास्थल से 108 एंबुलेंस के माध्यम से मृतक के शव को सैदपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। यहां मृतक के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने शव का पंचनामा कर, उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। खानपुर थाना क्षेत्र के फरिदहा गांव निवासी राकेश चौहान 42 पुत्र स्वर्गीय मंगरु चौहान शनिवार की दोपहर को आवश्यक कार्य के लिए बाइक से खानपुर बाजार जा रहे थे। तभी गांव से थोड़ी दूरी पर किसी अज्ञात वाहन ने उनके बाइक को जोरदार धक्का मार दिया। जिससे राकेश गंभीर रूप से घायल हो गए।

12 लोगों के बीच आयुष्मान कार्ड का हुआ वितरण

गाजीपुर। जिले में आयुष्मान भारत योजना के चार वर्ष पूरे होने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह और विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह रहे। इस कार्यक्रम में कुल 12 लोगों को आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। वहीं, भारत सरकार के महत्वाकांक्षी योजना टीबी मुक्त भारत पर भी चर्चा किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह ने इस कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभ के बारे में बताया। साथ ही, जिले में चल रहे आयुष्मान पखवाड़ा के तहत 75000 परिवारों का आयुष्मान कार्ड बनाए जाने का कार्य चल रहा है। उसमें छूटे हुए परिवार के लोगों से अपना आयुष्मान कार्ड जल्द से जल्द बनवाने का आग्रह किया। ताकि किसी भी विशेष परिस्थिति में लोग इसका लाभ उठा सकें।

तीन दिवसीय प्रदर्शनी एवं बिक्री की हुई शुरुआत

गाजीपुर। जिले में लोकल फॉर लोकल के अर्न्तगत जूट वाल हैमिंग एवं अन्य उत्पादों की तीन दिवसीय प्रदर्शनी एवं बिक्री का आयोजन लंका मैदान में किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह ने प्रदर्शनी का फीता काटकर एवं द्रौप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। उन्होंने सभी स्टालों का अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी में कुल 30 स्टाल लगाये गये हैं। सपना सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के इस सपने को पूरा करने के लिए उद्योग आगे आए। अपने-अपने नये उद्योगों को स्थापित कर लोगों को रोजगार देने वाला बनें। उन्होंने बताया कि केन्द्र व प्रदेश सरकार उद्योगों को स्थापित करने हेतु कई सुविधाएँ व सहायता दे रही है।

रामलीला के सातवें दिन 'धनुष यज्ञ' व 'मीराबाई चरित्र भाग-2 लीला' का हुआ मंचन

21 दिवसीय विजयादशमी महोत्सव का सातवां दिन

केटी न्यूज/बक्सर

श्री रामलीला समिति, बक्सर के तत्वावधान में रामलीला मैदान स्थित विशाल मंच पर चल रहे 21 दिवसीय विजयादशमी महोत्सव के दौरान शनिवार को सातवां दिन श्रीधाम वृंदावन से पधारी सुप्रसिद्ध रामलीला मण्डल श्री श्यामा श्याम रासलीला संस्थान के स्वामी श्री नन्दकिशोर रासाचार्य जी के सफल निर्देशन में दिन में कृष्ण लीला के दौरान 'मीराबाई' चरित्र भाग-2 लीला' के प्रसंग का मंचन किया गया। जिसमें दिखाया गया कि मीराबाई को उनके ससुराल में पति के निधन के पश्चात जान से मारने का तरह तरह का प्रयोग करने के बावजूद भी मीराबाई बच जाती है। हरेक बार नारायण उनकी रक्षा करते



हैं। जिससे मीराबाई के घर के लोग घबरा जाते हैं। यह देख मीराबाई की भक्ति और बड़ जाती है वह महल को छोड़ वैराग्य को धारण कर लेती है। इस दृश्य को देख दर्शक भाव विभोर हो जाते हैं।

सीता को धनुष उड़ाने के बाद जनक ने स्वयंवर का किया आयोजन: वहीं, देर रात्रि मंचित

रामलीला के दौरान 'धनुष यज्ञ' प्रसंग का मंचन किया गया। जिसमें दिखाया गया कि राजा जनक भोलेनाथ से धनुष लेकर महलों में आते हैं और नित्य दिन उसकी पूजा करते हैं। एक दिन राजा जनक किसी कार्यवश महलों से बाहर होते हैं। उस दिन महारानी धनुष को पूजा करना भूल जाती है। यह देख स्वयंवर

जी ने अपने एक हाथ से धनुष को उठाकर गोबर का चौका लगाकर उसका पूजन किया। यह बात जब राजा जनक हैं ने सुना कि जानकी ने एक हाथ से धनुष को उठाकर उसका पूजन किया तो उसी समय यह घोषणा करवा देते हैं कि जो राजा इस धनुष खंडन करेगा, उसी से मेरी किशोरी का विवाह होगा। इसके



लिपि वह स्वयंवर का आयोजन करवाते हैं। सभा कक्ष तैयार किया जाता है। वहां विश्वामित्र सहित राम और लक्ष्मण भी आते हैं। जनक जी उनको उच्च आसन पर बिठाते हैं। सभागार देश देशांतर से आए हुए राजाओं से भर जाता है। तभी बाणासुर और रावण का भीषण संवाद होता है। और दोनों सभागार से बाहर

चले जाते हैं। तब धनुष यज्ञ की घोषणा होती है; और एक एक कर सभी राजा धनुष को उठाने का प्रयास करते हैं और असफल हो जाते हैं। सभी राजाओं को धनुष उठाने में विफल होते देख जनक जी को क्रोध आ जाता है। वह सभागार के सभी राजाओं पर क्रोध करते हुए पृथ्वी को वीरों से खाली बता देते हैं। राजा

जनक के इस प्रकार कहने से लक्ष्मण जी को गुस्सा आ जाता है तब श्री राम अपने गुरुदेव विश्वामित्र की आज्ञा पाकर धनुष का खंडन करते हैं। यह देख सभी देवता गण फूल बरसाते हैं। जानकी जी श्रीराम के गले में वरमाला पहनाती है। यह देख दर्शक रोमांचित हो जाय श्री सीताराम का उद्घोष कर करने लगते हैं।

बस की छतों पर पर बैठ जान की बाजी लगा रहे है स्कूली छात्र: तार तार हो रहा परिवहन नियम

मुख्यमंत्री साइकिल योजना की उपयोगिता पर भी उठ रहा सवाल

केटी न्यूज, दुमरांव (बक्सर)

अनुमंडल की सड़कों पर हर दिन परिवहन नियमों की ध्वजियां उड़ाने जा रही है। चाहे टुकड़ों पर ओवर लोड परिचालन हो या फिर यात्री वाहनों पर लटककर या उनके छप पर बैठ जानलेवा सफर। हर दिन अनुमंडल की सभी सड़कों पर पूरे दिन ऐसे नजारे देखने को मिलते हैं। लेकिन ताज्जुब कि प्रशासन व परिवहन विभाग के साथ ही स्थानीय पुलिस भी इस देख कर मौन साधे हुए है। सबसे गंभीर समस्या यात्री बसों की छत पर बैठ स्कूली छात्रों के सफर की है। हर दिन बड़ी संख्या में स्कूली छात्र बस की छतों पर बैठ सफर करते देखते जाते हैं। एनएच 84 और एनएच 120 दोनों प्रमुख सड़कों पर सुबह और शाम में यह



नजारा आम हो गया है। लेकिन प्रशासन को इसकी सुधि नहीं है। जानकारों का कहना है कि सुबह व शाम में आधा दर्जन से अधिक बसों की छतों पर बड़ी संख्या में स्कूली छात्र बैठे रहते हैं। जरा सी असावधानी से छात्र बस के नीचे गिर मौत को गले लगा सकते हैं। लेकिन तो उन्हे रोकने के लिए

प्रशासन आगे आता है और न ही बस संचालक ही परिवहन नियमों के माखौल उड़ाने से बाज आ रहे हैं। जिस कारण सरकार को राजस्व की क्षति पहुंच रही है तथा सड़कों का अस्तित्व भी चौपट हो रहा है।

परिवहन सुविधा के लिए ही दी जाती है साइकिल: राज्य

सरकार द्वारा मुख्यमंत्री परिवहन योजना के तहत ही हाई स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को साइकिल की राशि दी जाती है। ताकी दूर दराज से आने वाले छात्र-छात्राएँ साइकिल से अपने स्कूल आ जा सकें। लेकिन करीब एक दफक से चलाए जा रहे इस योजना के बावजूद बड़ी संख्या में हाई स्कूल के छात्र बसों की छतों पर बैठ जानलेवा सफर कर रहे हैं। जिससे महत्वपूर्ण योजना के उपयोगिता पर भी सवाल उठ रहा है। जानकारों का कहना है कि छात्रों द्वारा राशि लेने के बावजूद साइकिल नहीं खरीदी जा रही है। सिर्फ जुगाड़ से रपीद बनवा उसे जमा कर दिया जाता है। बसों की छतों पर बैठ सफर करने वाले छात्र इस बात की तस्दीक कर रहे है कि उनके पास साइकिल नहीं है।

उदासीन बना है स्कूल प्रबंधन: इस मामले में स्कूल प्रबंधन की भूमिका भी संजीदगी भरी नहीं है। स्कूलों में न तो छात्रों को परिवहन नियम तोड़ने के प्रति जागरूक किया जाता है और न ही उन्हें ऐसे सफर तथा दुर्घटनाओं से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी जाती है।

जागरूकता व जानकारी के अभाव में भी छात्र नियमों तथा सुरक्षा मानकों को ताक पर रख सफर कर रहे हैं। उनके अभिभावक भी उदासीन बने हुए हैं। जिसका गंभीर परिणाम किसी दिन भुगतना पड़ सकता है। वैसे लटक कर यात्रा करने या फिर वाहनों की छत पर बैठ सफर के दौरान कई लोग जख्मी भी हो चुके हैं। बावजूद इस पर लगाम नहीं लगाए जाने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

प्रशासन ने होटल गजल के ग्राउंड में मौजूद सभी दुकानों को कराया सील

केटी न्यूज/गाजीपुर

जिला प्रशासन ने शनिवार को मुखार अंसारी के होटल गजल की इमारत में मौजूद दुकानें बंद करा दी। एसडीएम सदर प्रतिभा मिश्रा की अगुवाई में प्रशासन की टीम ने होटल गजल के ग्राउंड में मौजूद दुकानों को बंद कराया। बता दें कि गजल होटल पूर्व में कुर्क और ध्वस्त किया जा चुका है। होटल गजल के ग्राउंड फ्लोर में मौजूद दुकान भी सीज की गई हैं। लेकिन हाईकोर्ट ने रेंट एग्रीमेंट की समय सीमा तक रुकानदारों को दुकान खोलने के राहट दी थी। रेंट



एग्रीमेंट की समय सीमा खत्म होने पर प्रशासन ने आज कार्रवाई की। एसडीएम प्रतिभा मिश्रा ने बताया कि गजल होटल के नीचे की दुकानों का

रेंट एग्रीमेंट 31 अगस्त तक के लिए हुआ था। हाईकोर्ट के आदेश के क्रम में दुकानों को रेंट एग्रीमेंट की अवधि तक के लिए छूट दी गई थी। रेंट एग्रीमेंट की अवधि समाप्त होने पर आज दुकानों को सीज किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि एक नवंबर 2020 में मुखार के बेटों और पत्नी के नाम से चलने वाले होटल गजल के प्रथम तल और द्वितीय तल को अवैध निर्माण बताकर जिला प्रशासन ने ध्वस्त करा दिया था। भूतल पर बनी 17 दुकानें किराएदारी पर होने के कारण ध्वस्त नहीं की गईं।

संसार के बारे में जानने से बैराग्य हो जाएगा और परमात्मा को जानने से प्रेम हो जाएगा

श्री जीवर स्वामी जी महाराज ने कहा कि संसार में जितनी भी दिखने वाली वस्तुएं हैं वे सब नास्वर है ईश्वर प्राप्ति में यह सब बाधा है। क्योंकि जब तक संसार से बैराग्य नहीं होगा जब तक ईश्वर की प्राप्ति नहीं हो सकती। जब मनुष्य संसार के बारे में हकीकत जान लेगा तो उसे बैराग्य ले लेगा लेकिन जब ईश्वर के बारे में जान लेगा तो उनसे प्रेम हो जाएगा। भगवान की तरफ खिंचाव होने का नाम भक्ति है। भक्ति कभी पूर्ण नहीं होती। प्रत्यक्ष उत्तरोत्तर बढ़ती ही रहती है। भेद मत में होता है प्रेम नहीं। प्रेम संपूर्ण मत वादों को खा जाता है। भागवत प्रेम में जो आनन्द है वह ज्ञान में नहीं है। ज्ञान में तो आखंड आनन्द है पर प्रेम में अनंत आखंड है। तपस्या से प्रेम नहीं मिलता प्रत्यक्ष शक्ति मिलती है। प्रेम भगवान में अपनापन होने से मिलता



है। जिसका मिलना अवश्यंभावी है उस परमात्मा से प्रेम करो और जिसका बिछुड़ना अवश्यंभावी है उस संसार की सेवा करो। प्रेम वही होता है जहां अपने सुख और स्वार्थ की गंदगी नहीं होती। जब तक

साधक अपने मन की बात पूरी करना चाहेगा तब तक उसका न शृणुण में प्रेम होगा न निर्गुण में। जो चीज अपनी होती है वह सदा अपने को प्यारी लगती है। अतः एकमात्र भगवान को अपना मन लेने पर भगवान में प्रेम प्रकट हो जाता है। जब तक संसार से प्रेम है तब तक भगवान में असली प्रेम नहीं है। जब तक नाशवान की तरफ खिंचाव रहेगा तब तक साधन करते हुए भी भगवान की तरफ खिंचाव और उसका अनुभव नहीं होगा। प्रेम मुक्ति से भी आगे की चीज है मुक्ति तक तो जीव रस का अनुभव करने वाला होता है। पर प्रेम में वह रस का दादा बन जाता है। ज्ञान मार्ग में दुख बंधन मिट जाता है और स्वरूप में स्थित हो जाता है। पर मिलता कुछ नहीं। परंतु भक्ति मार्ग में प्रतिक्षण प्रेम मिलता है।

बीएसए ने साफ किया शौचालय व बच्चों के साथ खाया खाना

गाजीपुर। जिले में बीएसए हेमंत राव एक प्राथमिक स्कूल में निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। स्कूल में उन्होंने स्वच्छता पखवाड़ा के तहत प्रोग्राम में झाड़ू लगाना शुरू किया। इसके उपरांत जब उन्होंने देखा कि टॉयलेट भी गंदा है, तो ब्रश उठाकर उसे साफ करने लगे। एक दिन पहले रीवा से भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा हाथों से टॉयलेट साफ करने की वजह से चर्चा में आए थे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गाजीपुर हेमंत राव प्राथमिक विद्यालय नूरपुर सदर में निरीक्षण करने के लिए पहुंचे थे। स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत उन्होंने यहां पर सफाई अभियान की शुरुआत की। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने यहां

मौजूद सभी बच्चों को स्वच्छता पर शपथ दिलाते हुए जागरूक भी किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा स्वस्थ मस्तिष्क में स्वस्थ विचारों का संचार होता है और जब हम अपने आप को स्वच्छ रखेंगे, तभी ज्ञान को आत्मसात करने में आसानी होगी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर खाना भी खाया। उसके बाद बीएसए ने विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों और ग्राम प्रधान के साथ बैठक की। विद्यालय को नियुक्त विद्यालय बनाने के लिए सकारात्मक सहभागिता का आह्वान भी किया। इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी सदर, ग्राम प्रधान रमेश यादव, प्रधानाध्यापक उषा किरन आदि लोग उपस्थित थे।

पुलिस का खुलासा : आत्महत्या नहीं, दादा व पोते ने लाठी से मार की थी राम अशीष की हत्या, जेल

19 सितम्बर को अपने पिता से शराब की नशे में उलझा था राम अशीष पुत्र ने मारी थी सिर पर लाठी

मृतक के छोटे भाई ने दी थी फंदे पर लटने की सूचना

केटी न्यूज/गाजीपुर

जमानिया में पांच दिन पूर्व आशीष हत्याकांड का खुलासा हो गया। जिसमें दादा और पोते ने मिलकर की है। इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस के द्वारा शनिवार की दोपहर दी गई। जिसके बाद दादा व पोते को जेल भेज दिया गया। ज्ञात हो कि ताजपुर मांझा गांव में 19 सितम्बर को राम अशीष यादव 50 वर्ष की हत्या हुई थी।



पुलिस ने मृतक के छोटे पुत्र राहुल सिंह यादव और पिता संग्राम सिंह यादव को आज हत्या में प्रयुक्त डंडे के साथ आरोपियों के गांव ताजपुर मांझा स्थित एक मन्दिर के पास से दबाकर जेल भेज दिया। सीओ ने बताया कि वीते 19 सितम्बर यानि सोमवार की रात्रि को कोतवाली क्षेत्र के ताजपुर मांझा निवासी कमलेश सिंह यादव ने सूचना

दिया कि उसका बड़ा भाई राम अशीष यादव 50 वर्ष घर में? फंदे पर लटक रहा है, जिसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेंज छानबीन में जुट गई थी। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में राम अशीष की मृत्यु फंदे पर लटकने से नहीं बल्कि सर पर गम्भीर लाठी के

पुत्र ने डंडे से किया था प्रहार जिसमें टूटी थी सिर की हड्डी पुलिस ने बताया कि इलायचीपुर उर्फ डिग्री में पिता के द्वारा बनाए गए मकान का अपना हिस्सा अपने बड़े लड़के रोहित के नाम कर दिया, और राहुल की प्रेम भिगा करके लाई गयी पत्नी को घर से भगा दिया था। इन्ही कारणों से आए दिन दादा व पोता नाराज चल रहे थे, इसी बीच घटना वाले दिन राम अशीष शराब के नशे में घर पहुंचा और पिता पुत्र से उलझ गया, जिसके बाद पुत्र राहुल ने पिता को डंडे से सर पर मार दिया। जिसके कारण उसकी मौत हो गई, जिसके बाद दोनों ने मृतक को फंदे पर लटका दिया।

चोट हड्डी टूटने से हुई थी।

